Headline: - Policing approach to change in the country: Three-day special training for 35 police personnel at IIHMR University

Print Coverage:

Date	Publication	Edition
16 October, 2026	Danik Bhaskar	All



प्रदेश में बदलेगा पुलिसिंग का अंदाज • आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी में 35 पुलिसकर्मियों की तीन दिवसीय विशेष क्लास

पुलिसकर्मियों को व्यवहार की ट्रेनिंग; खुद शिकायत लेकर थाने जाएं तो कैसा व्यवहार चाहेंगे, वैसा ही करना है

क्राइम रिपोर्टर | जयपुर

थाने की कुर्सी पर बैठकर शिकायत सुनने से पहले जरा खुद को सामने खड़े फरियादी की जगह रखिए। सोचिए, परेशानी लेकर आप थाने पहुंचते तो पुलिस से कैसा व्यवहार चाहते? बस, वैसा ही व्यवहार सामने वाले से कीजिए। पुलिसकर्मियों का व्यवहार सुधारने के लिए शुरू हुई विशेष क्लास में गुरुवार को खाकी को यही सीख दी। क्लास में बताया गया कि अपराधियों के प्रति सख्ती और आमजन के प्रति संवेदनशीलता पुलिस की कार्यशैली का मूल आधार होना चाहिए।

जयपुर की आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी में शुरू हुए तीन दिवसीय 'पॉजिटिव बिहेवियर इन पुलिसिंग' प्रशिक्षण में 35 पुलिसकर्मी शामिल हुए। यहां चर्चा कानून लागू करने के साथ उस लहजे और व्यवहार की भी है, जिससे शिकायत लेकर आया व्यक्ति अपनी बात कह सके। विशेषज्ञ केस स्टडी, भूमिका-अभिनय और समूह चर्चा के जरिए पुलिसकर्मियों को संवेदनशील संवाद के तरीके सिखा रहे हैं। प्रशिक्षण 17 अक्टूबर तक चलेगा। पुलिसकर्मियों को बताया गया कि लोग अपनी परेशानियां लेकर थाने आते हैं। उनकी बात संवेदनशीलता से सुनकर कानूनी प्रक्रिया के तहत राहत दिलाने का प्रयास होना चाहिए। संवेदनशीलता का मतलब नरमी बरतना नहीं है। उन्होंने थानों की कार्यप्रणाली को नए नजरिए से देखने और सकारात्मक माहौल बनाने पर जोर दिया। पारदर्शिता के इस दौर में पुलिस का आचरण हर व्यक्ति की नजर में है।

नाराज फरियादी से कैसे करें बात, अभ्यास से सीखेंगे

शुक्रवार की क्लास में 'दबाव की परिस्थितियों में पुलिसिंग' पर चर्चा होगी। लंबी ड्यूटी, तनाव और तुरंत फैसले लेने की जरूरत के बीच संयम कैसे बनाए रखें, यह सिखाया जाएगा। नाराज शिकायतकर्ता से बातचीत और कठिन परिस्थितियों से निपटने के लिए भूमिका-अभिनय व समूह अभ्यास होंगे। शनिवार को सीखी हुई बातों को थाने के कामकाज में उतारने की प्रक्रिया बताई जाएगी। सक्रिय होकर सुनने, प्रभावी संवाद और नागरिकों का विश्वास बढ़ाने के व्यावहारिक उपायों पर काम होगा। हर प्रतिभागी की व्यक्तिगत और इकाई स्तर की कार्ययोजना भी बनेगी, ताकि प्रशिक्षण में मिली सीख रोजमर्रा के व्यवहार में दिखाई दे। शुभारंभ डीजीपी राजीव शर्मा ने किया। पूर्व डीजी डॉ. एम.के. देवराजन ने इसे आत्मचिंतन का मंच बताया। उन्होंने प्रतिभागियों से खुलकर अनुभव रखने को कहा, ताकि सामूहिक चर्चा से पुलिसिंग में सुधार का रास्ता निकल सके।

16 October 2026-Dainik Bhaskar Pg. No. 02